संपादकीय

पहाड़ों में भूस्खलन के दोषी हम, प्रकृति नहीं

कुछ दिन पहले हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में भूस्खलन हुआ। तब पहाड़ी का मलबा सीधे राजमार्ग पर आकर गिरा। दोपहर के व्यस्त समय में अचानक हुए इस हादसे में दो बड़े वाहन मलबे में दब गए। इसकी वजह से तीन लोगों की तत्काल मौत हो गई, और कई लोग मलबों के नीचे दब गए। जैसे-जैसे मलबा हटाने का काम आगे बढ़ा, इस हादसे में मरने वालों की संख्या भी बढ़ती रही। ताजा सूचनाओं के मुताबिक दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 20 के पार पहुंच चुकी है।

मगर इस घटना की गंभीरता को महज मृतकों की संख्या से नहीं नापा जा सकता और यह कोई अकेली घटना भी नहीं है। तीन हफ्ते पहले इसी जिले में पहाड़ी धंस जाने से एक और बड़ी दुर्घटना हुई थी। हिमाचल और उत्तराखंड में भूस्खलन की घटनाओं में हाल के दिनों में काफी तेजी आई है और यह कोई आश्चर्य की बात भी नहीं है। प्रकृति से छेड़छाड़ करेंगे तो ऐसी घटनाएं होंगी ही। ऐसे में एक सवाल यह बनता है कि किन घटनाओं और गतिविधियों को हम प्रकृति के साथ छेड़छाड़ कहेंगे और वे किस तरह से भूस्खलन का कारण बनती हैं। इस सवाल के जवाब तक पहुंचने के लिए हमें भूस्खलन के वैज्ञानिक कारणों को समझना चाहिए।

भूगर्भ विज्ञान के अनुसार चट्टानें तीन तरह की होती हैं। एक, ज्वालामुखी फटने से भूमि की सतह के नीचे बनकर ठंडी हुई चट्टानें। ये चट्टानें बहुत कठोर और मजबूत होती हैं। दूसरा प्रकार है- रासायनिक प्रक्रिया से बनने वाली चट्टानों का। कर्नाटक, महाराष्ट्र जैसे दक्षिणी राज्यों में ये चट्टानें हैं। इन चट्टानों को 'बेसाल्ट रॉक' कहा जाता है। ये चट्टानें भी कठोर होती हैं। तीसरा प्रकार है- कीचड़ या मलबे से बनी चट्टानों का। ये चट्टानें कठोर नहीं होतीं। हिमालय की चट्टानें मलबे से ही बनी हैं। पहले वहां समुद्र था। समुद्र से ऊपर उठे मलबे से हिमालय का निर्माण हुआ है, इसलिए यहां के पहाड़ सीधी चढ़ाई वाले हैं। वहां बहुत चढ़ाव और ढलान है। ये पत्थर कच्चे हैं। इन्हें 'सेडिमेंटरी रॉक्स' कहा जाता है। पहले इन पहाड़ों की ढलानों पर ओक के वृक्षों का जंगल था। ये पेड़ पहाड़ों की मिट्टी पकड़ कर रखते थे। समय के साथ मूल प्राकृतिक पेड़ बड़े पैमाने पर काटे गए। इसके बाद विभिन्न इलाकों में चट्टानें ढहने की घटनाएं बढ़ने लगीं।

मुझे याद है कि हमने 1980-85 के दौरान प्रत्यक्ष फील्ड वर्क करके रिपोर्टें बनाई थीं। तब भी चट्टानों के खिसकने की घटनाएं बहुत होती थीं। लेकिन इसकी पृष्ठभूमि काफी पहले से बनने लगी थी। दरअसल, अंग्रेजों के जमाने में इस इलाके में व्यापार बढ़ना शुरू हुआ। ओक के पेड़ बड़े पैमाने पर काटे गए। जंगलों का सफाया हो गया। जो पेड़ लगाए गए, वे ओक के नहीं थे। व्यापारिक कारणों से ओक के स्थान पर चीड़, पाइन के पेड़ लगाए गए। ये पेड़ मिट्टी को पकड़ कर नहीं रखते। मगर ये भी साबुत नहीं रह सके। उद्योग-व्यवसाय के लिए उन्हें लगातार काटा जाता रहा। इन सबसे भूगर्भ की प्राकृतिक संरचना को चोट पहुंची है। यही नहीं, पिछले तीन-चार दशकों में इन पर्वतों पर मनमाने रास्ते बना दिए गए। जगह-जगह हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रॉजेक्ट बन गए। यह इलाका सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील है। इस वजह से सुरक्षा बलों ने भी बड़े पैमाने पर सड़कें बनवाईं। नतीजे के रूप में भूस्खलन और चट्टानें ढहने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं।

उत्तराखंड के चमोली में फरवरी माह में इसी तरह की घटना हुई थी। वहां भी ओक का जंगल नहीं बचा है। पहाड़ियां धंस रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में जितने भी छोटे-बड़े ऐसे हादसे हुए हैं, सच पूछा जाए तो उनमें प्रकृति का कोई दोष नहीं है। ये सारी घटनाएं मनुष्य की गतिविधियों के कारण हो रही हैं। हममें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता नहीं बची है। विकास कार्यों का पर्यावरण और प्रकृति पर क्या असर होगा इस पर विचार ही नहीं किया जाता। हमारी ही गलतियों के कारण इस तरह की गंभीर घटनाएं हो रही हैं।

- डॉ. माधव गाडगिल

रिज़र्व बैंक ने वित्तीय समावेशन सूचकांक की शुरुआत की

नईदिल्ली। भारतीय रिज़र्व बैंक ने देश भर में वित्तीय समावेशन की सीमा को मापने के लिए एक सम्मिश्र वित्तीय समावेशन सूचकांक (एफआई-सूचकांक) का बनाया है। रिजर्व बैक ने आज यह जानकारी देते हुए कहा कि 07 अप्रैल 2021 को 2021-2022 हेतु पहले द्वि-मासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य के विकासात्मक और विनियामक नीतियों में किए गए घोषणा के अनुसारयह सूचकांक बनाया गया है

इस एफआई-सूचकांक को सरकार और संबंधित क्षेत्र के विनियामकों के परामर्श से बनाया गया है, जिसमे बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक के साथ-साथ पेंशन क्षेत्र के विवरण को शामिल करते हुए एक व्यापक सूचकांक के रूप में संकल्पित किया गया है। यह सूचकांक 0 और 100 के बीच की एकल संख्या में वित्तीय समावेशन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करता है, जहां 0 पूर्ण वित्तीय अपवर्जन का प्रतिनिधित्व करता है वहीं 100 पूर्ण वित्तीय समावेशन को दर्शाता है। एफआई-सूचकांक में तीन व्यापक पैरामीटर अर्थात्, पहुंच (35 प्रतिशत), उपयोग (45प्रतिशत) और गुणवत्ता (20 प्रतिशत) शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक में विभिन्न आयाम शामिल हैं, जिसकी गणना कुछ संकेतकों के आधार पर की जाती है।

यह सूचकांक सेवाओं की पहुंच, उपलब्धता एवं उपयोग तथा सेवाओं की गुणवत्ता में आसानी के लिए अनुक्रियाशील है, जिसमे सभी 97 संकेतक शामिल हैं। इस सूचकांक की एक अनूठी विशेषता गुणवत्ता पैरामीटर है जो वित्तीय समावेशन के गुणवत्ता पहलू, जैसा कि वित्तीय साक्षरता, उपभोक्ता संरक्षण, और सेवाओं में असमानताओं और कमियों द्वारा परिलक्षित है, से संबंधित जानकारी एकत्र करता है।

इस एफआई-सूचकांक का निर्माण बिना किसी आधार वर्ष के किया गया है और इस तरह यह वित्तीय समावेशन की दिशा में वर्षों से सभी हितधारकों के संचयी प्रयासों को दर्शाता है। मार्च 2021 को समाप्त अवधि के लिए वार्षिक एफआई-सूचकांक 53.9 है, जबकि मार्च 2017 को समाप्त अवधि के लिए यह 43.4 था। एफआई-सूचकांक को वार्षिक आधार पर प्रति वर्ष जुलाई में प्रकाशित किया जाएगा।

चार महीने बाद डीजल हुआ सस्ता, पेट्रोल में कोई बदलाव नहीं

नईदिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में जारी गिरावट के कारण आज चार महीने बाद देश में डीज़ल 20 पैसे प्रति लीटर सस्ता हो गया जबकि पेट्रोल की कीमत 31वें दिन स्थिर रही। इससे पहले गत 15 अप्रैल को डीजल के दाम में 14 पैसे प्रति लीटर की कमी हुई थी। दिल्ली में बुधवार को इंडियन ऑयल के पंप पर पेट्रोल जहां 101.84 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा, वहीं डीजल 20 पैसे सस्ता होकर 89.67 रुपये प्रति लीटर पर आ गया। तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, बुधवार को दिल्ली में पेट्रोल 101.84 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा जबकि डीजल 20पैसे सस्ता होकर 89.67 रुपये प्रति लीटर पर आ गया। दुनिया के कई देशों में कोविड-19 के डेल्टा वैरिएंट की वजह से तेल की मांग में सुधार नहीं हो पा रही है। इसलिए कल कारोबार बंद होते समय ब्रेंट क्रूड 0.48 डॉलर प्रति बैरल घट कर 69.03 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.70 डॉलर प्रति बैरल कम होकर 66.59 डॉलर पर बंद हुआ।

स्पाइसजेट का कार्गो कारोबार होगा स्पाइस एक्सप्रेस को हस्तांतरित

नईदिल्ली। सस्ती विमानन सेवा प्रदान करने वाली एयरलाइन स्पाइसजेट ने 2556 करोड़ रुपये के कार्गो कारोबार को अपनी सहायक इकाई स्पाइस एक्सप्रेस एंड लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित करने की घोषणा की है।

कंपनी के अध्यक्ष अजय सिंह ने आज घोषणा करते हुये कहा कि यह प्रस्तावित हस्तांतरण से नयी कंपनी को तीव्रता से इस क्षेत्र में बढ़ने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही स्पाइस एक्सप्रेस अपने बल पर पूंजी जुटा सकेगी और कारोबार को बढ़ा सकेगी। कंपनी ने कहा कि उसका लॉजिस्टिक कारोबार का मूल्यांकन 2555/77 करोड़ रुपये किया गया है और यह हस्तांतरण स्पाइसजेट और उसके शेयरधारकों के हित में रहेगा। एक अक्टूबर 2021 से स्पाइस एक्सप्रेस के एक अलग ईकाई के रूप में कारोबार शुरू करने की संभावना है। यह लॉजिस्टिक ईकाई का अभी देश में 68 स्थानों पर और विदेशों में 110 स्थानों पर कारोबारी नेटवर्क है।

आईसीडी और सीएफएस को बंद करने की प्रक्रिया चार महीने में होगी पूरी

नईदिल्ली। देश में इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) और आयात-निर्यात संबंधी गोदाम वाले कंटेनर फ्रेट स्टेशनों (सीएफएस) के अभिरक्षकों को राहत पहुंचाने के लिये केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने आज तय कर दिया कि अधिकतम चार महीनों में इन सुविधाओं को बंद करने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाये। इसके पहले कोई समय-सीमा तय नहीं थी।

आईसीडी और सीएफएस, आयात-निर्यात व्यापारिक गतिविधियों में अहम भूमिका निभाते हैं, क्योंकि वे आयात और निर्यात किये जाने वाले माल का भंडारण करते हैं तथा उन्हें क्लियरेंस देते हैं। इन सुविधाओं को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत अधिसूचित किया गया है और इसका प्रशासन सीमा शुल्क अधिकारियों के हाथों में है। बहरहाल, कभी-कभार ऐसा भी होता है कि अभिरक्षक सुविधाओं को बंद (गैर-अधिसूचित) करना चाहता है। अधिसूचना वापस लेने के लिये यह शर्त है कि सुविधा के बंद होने से पहले आयात/निर्यात संबंधी बिना क्लियरेंस वाले, जब्त किये गये और कुर्क किये गये माल का निपटारा हो जाये। सीबीआईसी के ध्यान में आया है कि इस

प्रक्रिया में बहुत समय लगता है, जिसके कारण उनको कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

अब जो अभिरक्षक परिचालन बंद करना चाहता है, उसे आईसीडी/सीएफएस की अधिसूचना वापस लेने के लिये प्रार्थना-पत्र देना होगा। यह प्रार्थना-पत्र प्रमुख सीमा शुल्क आयुक्त/आयुक्त को दिया जायेगा। उसके बाद उप/सहायक सीमा शुल्क आयुक्त के स्तर का एक नोडल अधिकारी अधिसूचना वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करेगा तथा उपरोक्त सुविधा में पड़े माल का निपटारा तय समय-सीमा में पूरा करेगा। नई प्रक्रिया से बेवजह के खर्चे और समय की बचत होगी। सबसे अहम बात यह है कि अधिसूचना वापस लेने की प्रक्रिया आवेदन के प्राप्त होने की तारीख से चार महीने में पूरी कर लेनी है। यह सीबीआईसी द्वारा उठाया गया व्यापार सुविधा का एक और कदम है।

निर्यात बढ़ाने के लिए आरओडीटीईपी दरें अधिसूचित

नईदिल्ली। सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्यात पर शुल्क एवं कर रिफंड से संबंधित आरओडीटीईपी स्कीम को अधिसूचित कर दिया है जिससे नन्न सिर्फ निर्यातकों की तरलता की समस्या सुधरेगी बल्कि उनके उत्पाद भी प्रतिस्पर्धी होंगे।

निर्यात की गयी वस्तुओं पर फ्री ऑफ बौंड मूल्य का 0.01 प्रतिशत से लेकर 4.3 प्रतिशत तक कर और शुल्क रिफंड मिलेगा। रत्न और आभूषण जैसी वस्तुओं पर रिफंड दर 0.01 प्रतिशत होगी जबकि कमीज के कपड़े पर यह 4.3 प्रतिशत होगी। स्टील, फार्मा और रसायन जैसे क्षेत्र को इस आरओडीटीईपी स्कीम में शामिल नहीं किया गया है।

चालू वित्त वर्ष में इस स्कीम के लिए सरकार ने 19400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। वाणिज्य सचिव बी वी आर सुब्रह्मण्यम ने कहा कि इस स्कीम से निर्यातकों को 19400 करोड़ रुपये मिलेंगे।

यह स्कीम एक जनवरी 2021 से ही प्रभावी मानी जायेगी। इसके तहत निर्यातकों को केन्द्रीय, राज्य और स्थानीय कर एवं उपकर रिफंड किये जाने की व्यवस्था की गयी है जिससे भारतीय उत्पाद को वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिलेगी।

रिफंड की राशि निर्यातक के सीमा शुल्क को दिये लेजर खाता में हस्तांतरित की जायेगी और निर्यात की वस्तुओं पर मूल सीमा शुल्क चुकाना होगा।

लक्ष्मी जैसे लोग हकीकत में मौजूदः ऐश्वर्या खरे

आगामी डेली सोप भाग्य लक्ष्मी की मुख्य अभिनेत्री ऐश्वर्या खरे का कहना है कि उनका स्क्रीन चरित्र लक्ष्मी निस्वार्थता का प्रतीक है और ऐसे लोग आज भी दुनिया में मौजूद हैं!

ऐश्वर्या ने बताया, मैं लक्ष्मी नाम की एक लड़की की भूमिका निभा रही हूं। इस चरित्र का वर्णन करने के लिए सबसे अच्छा शब्द निस्वार्थता है। जब भी वह किसी को किसी समस्या में देखती है, तो वह अपने बारे में नहीं सोचती है और उनकी मदद के लिए आगे आती है। वह एक मृदुभाषी व्यक्ति है और इसके लिए कुछ भी कर सकती है।

उन्होंने कहा, हर कोई अपने परिवार की मदद करता है लेकिन लक्ष्मी जैसे लोग वास्तव में अभी भी मौजूद हैं जो किसी भी तरह से उन लोगों की मदद करते हैं जो उनसे संबंधित भी नहीं हैं। यह शो लोगों को निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित करेगा।

यह पूछे जाने पर कि ऐश्वर्या अपने स्क्रीन चरित्र लक्ष्मी के साथ क्या समानताएं या अंतर साझा करती हैं, अभिनेत्री ने जवाब दिया, मेरी लक्ष्मी की तरह दो छोटी बहनें हैं। मैं उनकी तरह ही उनकी समान देखभाल कर रही हूं। साथ ही मैं उनकी तरह मृदुभाषी हूं और बड़ों का सम्मान करती हूं। और मुझे विश्वास है मेरा भाग्य भी बिल्कुल लक्ष्मी की तरह होगा । मेरे पिताजी ने मुझे बचपन से यह सिखाया है।

अभिनेत्री ने स्वीकार किया कि वह जिस किरदार को निभा रही हैं, उससे काफी मिलता-जुलता होने के कारण, भूमिका में कदम रखने के लिए बहुत अधिक प्रयास नहीं करना पड़ा। हालांकि ऐश्वर्या को एक बात सीखनी पड़ी।

अभिनेत्री ने जानकारी दी, हमारे द्वारा साझा की जाने वाली समानता के कारण लक्ष्मी में कदम रखना आसान था। हालांकि, मुझे पंजाबी उच्चारण सीखना पड़ा क्योंकि वह एक पंजाबी परिवार से आती है।

आज का राशिफल

मेष :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, खर्चों की अधिकता रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य बना रहेगा।

वृषभः- आज का दिन लाभदायक रहेगा। निवेश करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। शारीरिक व मानसिक रूप से उत्तम रहेगा। खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। संतान या रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है।

कर्क :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। खुद पर संयम रखें। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी।

सिंह :- आज का दिन अच्छा रहेगा। मित्रों के सहयोग से कारोबार में अनुकूल परिस्थितियां रहेंगी। बड़े कार्यों में सफलता हासिल होगी। कुछ पुराने मित्रों से संपर्क बन सकते हैं।

कन्या :- आज का दिन शुभ फलदायक रहेगा। आर्थिक लाभ मिल सकता है। नौकरी तथा कारोबार के क्षेत्र में धनलाभ के योग हैं। परिवारजनों के साथ समय आनंदपूर्वक बीतेगा।

तुला :- आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ के योग हैं। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। नए कार्य शुरू करने के लिए दिन अनुकूल नहीं है।

वृश्चिक :- आज का दिन सामान्य रहेगा। मन अशांत और शरीर थोड़ा थकान से भरा रहेगा। आर्थिक लाभ होगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने की संभावना रहेगी।

धनु :- आज का दिन अच्छा बीतेगा। आकस्मिक धनलाभ होने की भी संभावना है। दोस्तों से लाभ हो सकता है।

मकरः- आज का दिन शुभ रहेगा। पूरा दिन अद्भुत अनुभव व जोश से भरा रहेगा। धैर्यशीलता में वृद्धि होगी।

कुम्भ :- आज का दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक लाभ के योग रहेंगे, लेकिन परिश्रम की भी अधिकता रहेगी।

मीन :- आज का दिन अच्छा रहेगा। आकस्मिक धनलाभ मिल सकता है। प्रिय व्यक्ति से मुलाकात आनंदायक रहेगी।

वेब सीरीज में शाहिद कूपर के साथ नजर आएंगे विजय सेतुपति

विजय सेतुपति दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार माने जाते हैं। सेतुपति को बड़ी संख्या में पूरे देश में प्रशंसक पसंद करते हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि वह बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर के साथ अमेजन प्राइम वीडियो की वेब सीरीज में नजर आएंगे। वह राज निदिमोरु और कृष्णा डीके की सीरीज में दिखेंगे। राज और डीके ने इस संबंध में रविवार को पुष्टि की है कि उनके इस प्रोजेक्ट का हिस्सा सेतुपति बन गए हैं।

इस प्रोजेक्ट के लीड कलाकार शाहिद ने भी सोशल मीडिया पर सेतुपति के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता व्यक्त की है। शाहिद इस अनटाइटल वेब सीरीज से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने वाले हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, सेट पर प्रतीक्षा कर रहा हूं। एक्टर सेतुपति के साथ फ्रेम साझा करने का इंतजार नहीं कर सकता। राशि खन्ना, मुझे सेट पर आपके साथ रहने की आदत हो गई है। इस सीरीज में अभिनेत्री राशि भी नजर आएंगी। राशि ने इससे पहले सेतुपति के साथ दो प्रोजेक्ट में साथ काम किया है। राशि ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता सेतुपति के साथ संगतमिजान में काम किया है। वह उनके साथ आगामी प्रोजेक्ट तुगलक दरबार में भी नजर आएंगी। राशि ने भी सेट पर सेतुपति का स्वागत किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, मैं तीसरी बार अपने पसंदीदा अभिनेता के साथ काम कर रही हूं, इस बार हिन्दी में।

सुपर डांसर 4 के सेट पर वापसी के लिए तैयार शिल्पा शेट्टी, शुरू की शूटिंग

पति राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद से अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी सुपर डांसर 4 के सेट पर नजर नहीं आई हैं। शो के जज से लेकर प्रशंसक तक उन्हें बहुत मिस कर रहे हैं। अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक शिल्पा के प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो की शूटिंग शुरू कर दी है। वह शो में लौटने के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक शिल्पा ने अगले हफ्ते के एपिसोड के लिए शूटिंग शुरू कर दी है। 2016 में जब यह शो शुरू हुआ था, तभी से शिल्पा इससे जुड़ी हुई हैं। निर्माता उनकी वापसी का इंतजार कर रहे थे। वे उनकी जगह किसी दूसरी अभिनेत्री को नहीं रखना चाहते थे। निर्माता बेहद खुश हैं कि शिल्पा ने शो में वापसी कर ली है।

आसानी से बनने वाली टेस्टी मिठाई है बेसन बर्फी

बेसन के लड्डू और बर्फी बनाना बहुत मुश्किल काम नहीं अगर आपको कब, क्या और मात्रा के बारे में पता हो। तो आज हम आपको बर्फी बनाना सीखाएंगे जिससे आप इस रक्षाबंधन इससे करें भाई का मुंह मीठा।

सामग्री :

बेसन- 1 कप, कंडेंस्ड मिल्क- 3/4 कप, पिसी चीनी- 3 टीस्पून, इलायची पाउडर- 1/4 टीस्पून, घी- 4 टीस्पून, बादाम और पिस्ता गॉर्निशिंग के लिए

विधि :

एक गहरी तली वाले पैन में घी गर्म करें।

इसमें बेसन डालकर धीमी आंच पर मिक्स करते हुए भूनेंगे। कम से कम 10 मिनट लगेंगे बेसन को अच्छी तरह भूनने में।

जैसे ही बेसन से खुशबू आनी शुरू हो जाए इसमें इलायची पाउडर और कंडेंस्ड मिल्क मिक्स कर देंगे।

सारी चीज़ों को आपस में अच्छी तरह मिक्स कर लें और थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें।

हल्का ठंडा रहे तब इसमें पिसी हुई चीनी मिलाकर इसका एक सॉफ्ट आटा गूंथ लें।

अब एक ट्रे लेकर उसे घी या मक्खन में ग्रीस कर लें। उसमें इस मिक्सचर को डालें और ऊपर से कटे हुए बादाम, पिस्ता।

थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख दें जिससे ये सेट हो जाए। उसके बाद मनचाहे शेप में काट लें।

शब्द सामर्थ्य- 174

बाएं से दाएं
1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे
1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

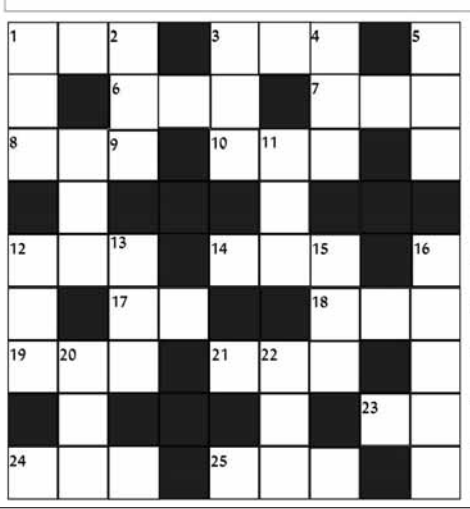

शब्द सामर्थ्य क्रमांक173का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

सू-दोकू- 174

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.173का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6